Fourteenth Loksabha

Session : 7
Date : 21-03-2006
Participants : Singh Shri Bijendra,Mishra Dr. Rajesh Kumar

an>

Title : Deteriorating law and order situation in Uttar Pradesh.

चौधरी विजेन्द्र सिंह (अलीगढ़) : उपाध्यक्ष महोदय, मैं एक अहम मसले की तरफ सरकार का ध्यान दिलाना चाहता हूं। हमारे देश लोकतांत्रिक मूल्यों का देश है। उत्तर प्रदेश देश का एक बहुत बड़ा भाग है। मैं उत्तर प्रदेश में कल की घटना की तरफ सरकार का ध्यान दिलाना चाहता हूं। कल दिन में पांच बजे एक्स एमएलए चौधरी मलकान सिंह की आपराधिक तत्वों ने तीन गाड़ियां भर कर दिन-दहाड़े हत्या कर दी जिससे पूरे जनपद में भय व्याप्त हो गया है और एमएलएज और एमपीज में भी डर व्याप्त हो गया है। उत्तर प्रदेश में जंगल राज आ गया है। कल-परसों श्री कृणा राय की हत्या हुई। कल मेरठ में ब्लॉक प्रमुख की हत्या हुई। कल एक एमएलए की हत्या हुई। उत्तर प्रदेश के हर जनपद में हत्या का कहर बहुत बढ़ गया है। मेरे बगल में राजेश मिश्रा जी बैठे हैं। उनकी हत्या होते-होते बच गई। ...(व्यवधान)

MR. DEPUTY-SPEAKER: Nothing should be recorded except the speech of Chaudhary Bijendra Singh.

*(Interruptions) ...**

उपाध्यक्ष महोदयः चौधरी विजेन्द्र सिंह जी की स्पीच के अलावा कुछ रिकॉर्ड में नहीं जाएगा।

...(व्यवधान)... *

चौधरी विजेन्द्र सिंह : आप सुनने की क्षमता रखें। मेरी बात सुनिए। ...(व्यवधान)

उत्तर प्रदेश में दिन-दहाड़े हत्याएं हो रही हैं। राजेश मिश्रा जी इस सदन के सदस्य हैं। उनकी हत्या होते-होते बची। इससे बड़ी बात और क्या हो सकती है? दिन दहाड़े पुलिस के दारोगा और सिपाहियों की हत्याएं हो रही हैं लेकिन सरकार संज्ञान नहीं ले रही है। ...(व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदयः आप क्या डिमांड करना चाहते हैं?

चौधरी विजेन्द्र सिंह : केन्द्र सरकार इस बारे में गवर्नर से रिपोर्ट मंगाएं और राज्य सरकार की तानाशाही के खिलाफ कार्रवाई करके, उसे बर्खास्त करने की कोशिश करें। ...(व्यवधान) राज्य सरकार पूरे पैसे का दुरुपयोग कर रही है। ...(व्यवधान)

MR. DEPUTY-SPEAKER: Nothing will go on record now.

*(Interruptions) ...**

MR. DEPUTY-SPEAKER: Please sit down.

… (*Interruptions*)

उपाध्यक्ष महोदयः अब मानवेन्द्र जी बहुत सीरियस मैटर उठाने वाले हैं।

कुँवर मानवेन्द्र सिंह (मथुरा) : माननीय उपाध्यक्ष महोदयः अभी जो माननीय संसद सदस्य ने अपने विचार रखे, उनसे अपने आप को जोड़ते हुए कहना चाहता हूं कि …(व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदयः आपको जो कहना है, वह कहिए।

डॉ. राजेश मिश्रा (वाराणसी) : उपाध्यक्ष महोदय, जो बात चौधरी विजेन्द्र सिंह जी ने रखी है, उससे हमें भी संबद्ध कर लिया जाए।